



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 611]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 13, 2006/ज्येष्ठ 23, 1928

No. 611]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 13, 2006/JYAISTHA 23, 1928

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(वाणिज्य विभाग)

(Department of Commerce)

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)

अधिसूचना

NOTIFICATION

नई दिल्ली, 13 जून, 2006

New Delhi, the 13th June, 2006

सं. 09 (आर ई-2006)/2004-2009

No. 09 (RF-2006/2004-2009)

का.आ. 894(अ).—यथा-संशोधित, विदेश व्यापार नीति, 2004-2009 के पैरा 1.3 के साथ पठित विदेश व्यापार (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1992 की धारा 5 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा विदेश व्यापार नीति, 2004-2009 के वार्षिक परिशिष्ट (7-4-2006 तक अद्यतन) में निम्नलिखित संशोधन करती है :

पैरा 3.9.5 के बाद निम्नलिखित पैरे को जोड़ा गया है :

“ईडीआई पोत-लदान 3.9.6 सीमाशुल्क ईडीआई समर्थित पत्तनों के माध्यम से निर्यातित सभी पोत-लदानों को स्कीम के तहत हकदारी प्रदान की जाएगी।”

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

[फा. सं. 01/94/180/360/ए एम 06/पी सी—I]

के. टी. चाको, महानिदेशक, विदेश व्यापार एवं
पदेन अपर सचिव

S.O. 894(E).—In exercise of powers conferred by Section 5 of the Foreign Trade (Development & Regulation) Act, 1992 read with paragraph 1.3 of the Foreign Trade Policy, 2004—2009, as amended, the Central Government hereby makes the following amendments in the annual supplement of the Foreign Trade Policy, 2004—2009 (Updated as on 07-04-2006):

After the Para 3.9.5, the following para shall be inserted :

“EDI Shipments 3.9.6 The entitlement under the scheme shall be granted to all shipments that are exported through Customs EDI enabled ports.”

This issues in public interest.

[F. No. 01/94/180/360/AM06/PC—I]

K.T. CHACKO, Director General of Foreign Trade
& Ex Officio Add. Secy.